बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी-जनवरी, २०१८)

(समय : दोपहर २.०० से ४.१५) **सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ मार्च, २०१८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

(कुल गुणांक : ७५)

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''आज हमारी बुआ पुतलीबाई की स्मृति में भोजन है।''

२. ''तुम्हारे मामा के साधुओं को पीटा गया है।''

३. ''वही काम करना जिससे महाराज प्रसन्न हों।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. उन्नड बापु कड़वीबाई को बचाने दौड़े।

२. डभाण महायज्ञ में श्रीजीमहाराज ने कोठियों-भांडो को अपनी छड़ी से स्पर्श किया।

३. धर्म विषयक कार्य तुरन्त करना चाहिए।

प्र. ३ ''राजबाई'' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. नाग क्यों शांत खड़ा हो गया ?

२. श्रीजीमहाराज ने नथु पटेल नामक बालक का परिचय किसको कहाँ करवाया ?

३. आकार मूर्ति कब बनता है ?

४. परम एकान्तिक संत की किस के साथ वृत्तियाँ अखंड जुड़ी हुई है ?

५. सुन्दरजी की परीक्षा करने के लिए श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ?

प्र. ५ ''विषय के मार्ग में.....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।** **[५]**

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। **[८]**

१. नेत्र कमलने रे ..... दु:ख भागे॥

२. कनक छडी सुंदर ..... ताप शमावता रे...

३. निजपादपयोज कीर्तनं ..... भजे सदा॥

४. आहारनिद्राभयमैथुनं ..... पशुभि: समाना:॥ - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए॥

विभाग - २ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''जब आप नहीं होंगे, तब हमारा क्या होगा ?''

२. ''जिसका अपनी सभी इन्द्रियों पर नियन्त्रण हो और जो स्वयं को पूर्ण रूप से मुझे समर्पित करने को तैयार हो।''

३. ''तुमने सभी शास्त्रों का अध्ययन भली-भाँति कर लिया है और मुझसे ब्रह्मविद्या भी पूर्ण रुपेण प्राप्त कर ली है।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. आचार्य महाराज ने पगड़ी बाँध कर भगतजी का सम्मान किया।

२. खानदेश के हरिभकत महुवा में भगतजी का समागम करने के लिए पधारने लगे।

३. भाद्रोड में संतों को भगतजी की सेवा का लाभ मिला।

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) **[५]**

१. अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास २. अड़सठ तीर्थ सद्गुरु चरणों में

प्र. १० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. प्रागजी भक्तने आचार्य के लिए क्या बनाकर भेंट दी थी ?

२. गुरु किसको कहते हैं ?

३. भगतजी ने हरिभक्तों के कल्याण के लिए कितनी जपमाला फेरी ?

४. भगतजी के अंतिम लीला के समय यज्ञपुरुषदासजी ने बिनतीपत्र भेज कर क्या प्रार्थना की ?

५. नागरवाडा जाने वाले द्वार की ओर आकर स्वामी ने क्या कहा ?

प्र. ११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. प्रागजी भक्त और मुख्य पुजारी श्री सूर्यभारथि

(१) ☐ बालक की लगन एवं भक्ति से प्रसन्न होते थे।

(२) ☐ प्रागजी भक्त मुख्य पुजारी को रसोई बना कर खिलाते थे।

(३) ☐ पुजारीजी के काम में सहायता किया करते।

(४) ☐ प्रागजी भक्त को महाभारत की कथा सुनाते थे।

२. गिरधरभाई सद्‌गुरु की खोज में

(१) ☐ वरताल में घनश्याम महाराज के सामने माला फेरनी आरम्भ की।

(२) ☐ एक महीने के बाद महाराज ने प्रसन्न होकर दर्शन दिए।

(३) ☐ प्रागजी भक्त मेरा परम प्रिय एकान्तिक भक्त है।

(४) ☐ मैं गुणातीतानंद स्वामी के द्वारा प्रगट हूँ।

३. प्रागजी भक्त की परीक्षा करने के लिए स्वामी ने कहा

(१) ☐ पाँच सौ फावड़े और दो सौ तसले चाहिए।

(२) ☐ तीन सौ तसले लाने को कहा।

(३) ☐ मुझे दो सौ फावड़े और पाँच सौ तसले चाहिए।

(४) ☐ चार सौ फावड़े लाने को कहा।

प्र. १२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : **जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ़ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने एक बार अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे और आचार्य उसे दण्डवत् करे।''

उत्तर : **जूनागढ़ में अपूर्व सम्मान :** जूनागढ़ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने एक बार अपने **गुरु बालमुकुंददासजी** से **पूछा** ''**प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी** के ऊपर बैठे और **संत** उसे दण्डवत् करे।''

१. **मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है :** एक बार कोठारीजी नडियाद के दीवानसाहब के अतिथि थे। दीवानसाहब का चौकीदार मुसलमान मुमुक्षु था। वह कोठारीजी के दर्शन के लिए आया।

२. **भगतजी के संत कठिनाई में :** शामजी दृढ़ निश्चय के व्यक्ति हैं। उन्हें सत्संग से बाहर किया तो भी वे रणछोडजी का हररोज़ ध्यान करते और आश्रम के बाग के आगे बैठकर साधुओं और हरिभक्तों का दर्शन करते हैं।

३. **अहमदाबाद में ज्ञान-यज्ञ :** जब भी आचार्य और उनके परिवार के लिए विशेष रसोई बनती, कोठारी महाराज परिवार के प्रति विशेष लगाव के कारण रसोई स्वयं परोसते।

४. **रुग्णता का आशीर्वाद माँगा :** कृपया मुझे तो अपना घर के दर्शन करवाओ, अपनी गद्दी दो और मुझे सच्चा साधु बनाओ।

५. **सत्संग में कुसंग :** स्वामी जब वरताल लौट रहे थे, वे मार्ग में आणंद जिले के डभाण गाँव में पधारे। वहाँ देवचंदभाई के दोढ वर्ष के पुत्र झीणा भक्त (योगीजी महाराज) को स्वामी ने आशीर्वाद दिए।

६. **सत्संग सुख :** एक बार स्वामी ने भगतजी से कहा, 'ये सफेद वस्त्र आज्ञाकारी हैं अत: जंगल जाओ और तपश्चर्या करो।' परन्तु संतों ने कहा, 'उपवास का कठोर पालन करते हुए भगवान का भजन करेंगे।'

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx